# हमारी प्यारी राधा के रत्न रंगीले नैनां

हमारी प्यारी राधा के रत्न रंगीले नैनां

हमारी प्यारी राधा के,रत्न रंगीले नैनां
रस बरसे रस रूप माधुरी,
रसमय रसीले नैनां, हमारी प्यारी....

अंग अंग सुकुमारी राधा,
अलख फलक कजरारी राधा,
कोटि चन्द्र उजियारी राधा ,
सुन्दरता का गहना, हमारी प्यारी....

रासेश्वरी रस-रंगिनी राधा ,
श्री कृष्ण की संगिनी राधा ,
श्री वृषभानु नंदिनी राधा ,
दामा भईया की बहना, हमारी प्यारी....

स्वर्ण लता मधु गोरी राधा,
मधुर शांत रस भोरी राधा ,
भोरी नवल किशोरी राधा,
छम छम बाजे पायलिया , हमारी प्यारी....

"मधुप" हरी मन भावन राधा,
तीन लोक बडभागिनी राधा,
निशिदिन सदा सुहागिन राधा,
नित नूतन मुस्काना , हमारी प्यारी....

**कवि** : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18185/title/hamari-pyari-radha-ke-ratn-rangeele-naina

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |